हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 16 मार्च 2026

11 साक्षर कहलाने का जुनूनः घूंघट की आड़ में ...

12 11.5 मेगावाट के सौर ऊर्जा सेंटर से 21 मिलियन ...

शनिवार देर रात अचानक मौसम बदला, ज्यादा गर्मी से प्रभावित होने लगी थी फसलें

किसानों की हार्ट बीट बढ़ी, फसलों में नुकसान की बनी आशंका

बारिश के बाद तेज हवा चलने से गेहूं की फसल जमीन पर बिछी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

देर रात अचानक मौसम में आए बदलाव ने किसानो की हार्ट बीट को बड़ा दिया। हल्की बूंदाबादी के साथ चली तेज हवाओं ने गेहूं व सरसों की फसल का बिछौना कर दिया। हालांकि सरसों की फसल में ज्यादा नुकसान नहीं होगा,लेकिन गेहूं की फसल बिछने से औसतन पैदावार पर असर पड़ेगा। जिसको लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई। मौसम में आए बदलाव के चलते किसानों ने सरसों फसल की कटाई शुरू कर दी।

रात करीब ढाई बजे अचानक आसमान में काले बादल एकत्रित हो गए।उसके बाद तेज हवाओं के साथ आसमान से हल्की बूंदाबादी शुरू हो गई। सुबह तक कभी तेज हवा तो कभी धीमी गति से पानी बरसता रहा। हवा की वजह से गेहूंकि फसल जमीन पर बिछने लगी। सुबह जब लोग सो कर उठे उस वक्त गेहूं की फसल पूरी तरह बिछौने हो गया। वहीं सरसों की फसल भी जमीन बिछ गई। हालांकि सड़क की फसल पक कर तैयार है,लेकिन गेहूं की फसल पकने में अभी वक्त का लगेगा। अगर गेहूं की फसल नहीं उठ पाई तो उसकी औसतन पदावर

भिवानी। हल्की बारिश के बाद तेज हवा चलने से जमीन पर बिछी गेहूं की फसल। फोटो : हरिभूमि

■ बारिश के कारण पारा लुढ़ककर 29 डिग्री सेल्सियस पर आया

घटना लाजिमी है। इसी के चलते किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ झलकने लगी है। अगर अभी मौसम में सुधार नहीं होता तो फसलों में मोटा नुकसान होने की आसंका बन जाएगी।

पारे के नखरे होंगे ढीले

पिछले कई दिनों से पारा 38 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। लोग गर्मी से बेहाल होने लगे थे,लेकिन आज अल सुबह हुई बारिश की वजह से पारा एकदम लुढ़कर 29 डिग्री सेल्सियस पर आ गया।जिस वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। ज्यादा गर्मी से सब्जी वाली फसलें भी प्रभावित होने लगी थी,क्योंकि ज्यादा गर्मी टमाटर व अन्य सब्जी वाली फसलों में फूल व फल आना बंद होने लगता है।अब हल्की बारिश से गर्मी से राहत मिलेगी और सब्जी वाली फसलों में फिर से फूल व फल आना शुरू हो जाएगा।

सिंचाई न करें

कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञ डॉ देवीलाल ने बताया कि अभी मौसम में बदलाव है। किसान गेहूं की फसल की सिंचाई को पूरी तरह से रोक दे। क्योंकि हल्की बारिश के हवा चलने फसल जमीन पर बिछ सकती है।

बाढ़ड़ा क्षेत्र के कई गांवों में रविवार सुबह बारिश के साथ गिरे ओले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

■ गेहूं और सरसों में मामूली नुकसान की आशंका

क्षेत्र के कई गांवों में रविवार सुबह बारिश के साथ मामूली ओलावृष्टि हुई है, जिससे गेहूं की फसलों में फायदा तो सरसों की फसलों में मामूली नुकसान की संभावना जताई जा रही है। मौसम में अचानक परिवर्तन होने के कारण गर्मी जल्द शुरू होने के कारण सरसों की फसल लगभग तैयार हो चुकी है तथा तैयार सरसों की फसल की कटाई भी शुरू हो गई है। वहीं गेहूं की फसल अभी तक पककर तैयार नहीं हुई है, लेकिन मौसम में गर्मी शुरू होने के कारण गेहूं की फसल जल्द पकने की संभावना बना दी, जिससे दाना छोटा होने के कारण उत्पादन में कमी आने की संभावना थी। क्षेत्र के कई गांवों में रविवार ढाई बजे से बरसात शुरू हुई जिसके बाद लगभग पांच बजे बरसात के साथ मामूली ओलावृष्टि हुई। बरसात व ओलावृष्टि के कारण पकी हुई सरसों की फसलों में मामूली नुकसान की संभावना है तो गेहूं की फसलों में बरसात के कारण फायदा होगा। खंड कृषि अधिकारी अजय भामा ने बताया कि बरसात के साथ 20-25 गांवों में मामूली ओलावृष्टि हुई है। वहीं सरसों की फसलों में ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

बारिश के कारण 5 घंटे बत्ती रही गुल

बवानीखेड़ा। शनिवार रात को अचानक बारिश व तेज हवा चलने से सुबह 4 बजे बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई । शहरवासियों में रमेश कुमार, अशोक कुमार, मुकेश कुमार आदि ने बताया कि शनिवार रात को हल्की फुल्की बारिश शुरू हो गई और तेज हवा चले से सुबह 4 बजे बिजली चली गई जो करीबन 9 बजे आई। वहीं विभाग के उपमंडल अभियंता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि 32केवी पर तकनीकी खामी आने के कारण बिजली कट लगा। उन्होंने बताया कि बड़सी से बिजली दुरूस्त होने पश्चात बिजली सप्लाई शुरू कर दी गई।

लाखों खर्च के बाद भी नहीं सुधरे रहे सड़कों के हालात

जुई और जेवली रोड पर जलभराव से बनी समस्या

भिवानी। जुई रोड पर दूषित पानी की निकासी का उचित प्रबंध नहीं होने पर प्रशासन व विभाग के प्रति रोष जताते दुकानदार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

लोकनिर्माण विभाग की लापरवाही व नालों का निर्माण नहीं करने के कारण लोग जलभराव की समस्याओं से जूझ रहे हैं। लंबे समय से जलभराव की समस्या से परेशान व्यापारियों की मांग पर लोकनिर्माण विभाग ने सालभर पहले ही लाखों रुपये खर्च कर जुई व जेवानी रोड का दो बार नवीनीकरण करवाया था। आज भी सभी सड़क मार्गों पर बरसात होने पर जगह-जगह गंदा पानी भरा रहता है, जिससे लोगों में सरकार की कार्यशैली को लेकर रोष बना हुआ है।

शनिवार रात्रि को हल्की बरसात से जुई रोड पर करीब 500 मीटर तक बरसाती पानी भर गया, जिससे आसपास की आधा दर्जन दुकानों में भी बरसाती पानी भर गया, जिससे दुकानदारों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों ने दूषित पानी में खड़ा होकर प्रशासन के खिलाफ रोष व्यक्तत किया। दुकानदार शेरसिंह, जगदीश, डॉ. विपिन, डॉ. बंशी, डॉ. मोनू, डॉ. भुपेंद्र, मोहन कबाड़ी, रमलू, कुलदीप, शर्मा, अशोक व सुंदर आदि ने बताया कि कस्बे के जुई रोड पर नालों का निर्माण नहीं होने दुकानदारों और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जुई रोड पर आधा दर्जन से अधिक निजी अस्पताल है। सड़क पर बरसाती पानी भरने से आने वाले मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मरीजों का कहना है कि सड़क पर पानी भरने के कारण मजबूरी में लोगों को दूषित पानी से होकर अस्पताल पहुंचना पड़ता है।

खबर संक्षेप

धोखाधड़ी के मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस के डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू की टीम ने एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी से पैसे निकालने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता साहिल निवासी बडदु चैना ने थाना लोहारू पुलिस को शिकायत दी थी कि वह लोहारू स्थित एसबीआई के एटीएम में पैसे निकालने के लिए गया था। वहां मौजूद व्यक्ति ने सहायता करने के नाम पर उसका एटीएम कार्ड बदल लिया और बाद में आरोपियों द्वारा उसके बैंक खाते से अलग-अलग समय पर करीब 29,000 रुपये धोखाधड़ी से निकाल लिए गए। इसी मामले में पुलिस के डिटेक्टिव स्टाफ लोहारू के मुख्य सिपाही प्रमोद कुमार की टीम ने आरोपी को बस अड्डा ढिगावा से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की थी। आरोपी की पहचान प्रवीण पुत्र सतपाल निवासी गांव कानोह, हाल निवासी वार्ड नंबर- 14 बरवाला के रूप में हुई थी।

ट्रेन से मादक पदार्थ ला रहे आरोपी को पकड़ा

भिवानी। पुलिस की सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने मादक पदार्थ के साथ आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी के कब्जे से चार किलो 706 ग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी रेलगाड़ी से भिवानी आ रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के एएसआई कृष्ण कुमार की टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति सिटी रेलवे स्टेशन से ट्रेन के माध्यम से आएगा, जो अपने साथ बेचने के लिए मादक पदार्थ गांजा लेकर आ रहा है। पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान राजीव कॉलोनी चौक भिवानी के पास घेराबंदी कर उक्त व्यक्ति को काबू किया। आरोपी की पहचान भीम निवासी मालीपुर टारा जिला बेगूसराय (बिहार), हाल निवासी बैंक कॉलोनी भिवानी के रूप में हुई है।

12 अप्रैल को होगा जाट प्रतिभा सम्मान समारोह, मेधावी विद्यार्थी और खिलाड़ी होंगे सम्मानित

भिवानी। जाट धर्मशाला के प्रांगण में रविवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जाट धर्मशसाला सभा के प्रधान चौ. दिलबाग सिंह सांगवान ने की, जिसमें कार्यकारिणी के सभी सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में समाज के होनहार युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए वार्षिक सम्मान समारोह की रूपरेखा तैयार की गई। सभा के प्रधान चौ. दिलबाग सिंह सांगवान ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जाट प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन बड़े स्तर पर किया जा रहा है।

जाट धर्मशसाला सभा के प्रधान चौ. दिलबाग सिंह सांगवान ने की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन

इस वर्ष यह समारोह 12 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समारोह में भिवानी और दादरी जिले की उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी योग्यता का लोहा मनवाया है।आईएएस, एचसीएस और न्यायिक सेवाओं में चयनित उम्मीदवार, एनडीए और सीडीएस में चयनित युवा, अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी, आईआईटी, आईआईएम और एमबीबीएस के पास आऊट छात्र, 10वीं और 12वीं कक्षा में 95 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, बीए व एमए में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। चौ. दिलबाग सिंह ने जाट समुदाय के लोगों से आह्वान किया है कि वे अपने बच्चों की उपलब्धियों और योग्यता के प्रमाण पत्र समय रहते जमा करवा दें। उन्होंने बताया कि पात्र उम्मीदवार अपने दस्तावेज 5 अप्रैल तक जाट धर्मशाला भिवानी के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं, ताकि समय पर चयन प्रक्रिया पूरी की जा सके।

गैस किल्लतः घंटों लाइन में लगने के बाद भी नहीं मिल रहा सिलेंडर

■ इजराइल-अमेरिका और ईरान युद्ध का स्पष्ट दिखाई देने लगा प्रभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

इजराइल-अमेरिका व ईरान युद्ध के बाद गैस आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका के चलते कस्बे में एलपीजी सिलेंडर लेने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

रविवार को जुई स्थित राज गैस एजेंसी के बाहर सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी लाइनें लग गईं और कई लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। ग्राहक बिजेंद्र, अशोक, अनिल व मंजीत ने बताया कि सिलेंडर की कमी के कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग सुबह से ही लाइन में लगे रहे, लेकिन देर शाम तक भी सभी को सिलेंडर नहीं मिल पाया। लोगों ने बताया कि अचानक बढ़ी मांग के कारण एजेंसी पर भीड़ बढ़ रही है। वहीं एजेंसी संचालकों का कहना है कि सप्लाई सीमित होने के कारण सभी उपभोक्ताओं को तुरंत सिलेंडर उपलब्ध करवाना संभव नहीं हो पा रहा है। लोगों ने प्रशासन से मांग की कि गैस की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

भिवानी। कस्बे की गैस एजेंसी के बाहर गैस बुकिंग के लिए लगी लंबी लाइन। फोटो : हरिभूमि

कांग्रेस सेवा दल का गैस को लेकर विरोध प्रदर्शन आज

भिवानी। देश व प्रदेश में गैस सिलेंडरों की किल्लत व दामों में हुई बढ़ोतरी को लेकर जिला कांग्रेस सेवा दल द्वारा सुबह 10 बजे महम रोड छोटूराम बड़ चौक पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। जिला कांग्रेस सेवा दल के जिला प्रधान विजेन्द्र सिवाच ने बताया कि विरोध प्रदर्शन आमजन की समस्याओं एवं उनको साथ लेकर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा आमजन विरोधी पार्टी है। उन्होंने चुनाव के दौरान जनता से जो वादये किए थे उन्हें पूरा न करन पाने के कारण वे लोगों का ध्यान भटकाने के लिए तरह-तरह के हथ कंडे अपना रही है। जैसे की 2016 में नोट बंदी, पुलवामा हमला, लॉकडाउन और अब गैस के लिए लोगों को लाइन में खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश का विकास नहीं देश को आज से लगभग 80 वर्ष पीछे ले जाना चाहते हैं।

खाद्य विभाग की टीम ने गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए मारे छापे

9 कमर्शियल सिलेंडर कब्जे में लिए रिकार्ड दिखाने पर वापस लौटाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा मे सिलेंडर की कालाबाजारी करने वालों पर प्रशासन का चाबुक चलेगा। इसके लिए खाद्य विभाग की टीम ने रणनीति बनाते हुए छापेमारी शुरू कर दी है। बताया जाता है कि रविवार को टीम द्वारा शहर के अनेक स्थानों पर छापेमारी की व कमर्शियल स्थानों पर प्रयोग हो रहे सिलेंडरों का रिकार्ड मांगा।

सूचना मिलते ही शहर में बात आग की तरह फैल गई और अधिकतर दुकानदारों दुकानों का शटर नीचे के फुर्र हो गए।उल्लेखीय है कि पूरे प्रदेश में सिलेंडर की कालाबाजारी के समाचार सुनने को मिल रहे हैं इसी कालाबाजारी को रोकने के लिए खाद्य एवं पूर्ति निरीक्षक संजय कुमार द्वारा धनाना गैंस एजेंसी, स्थानीय गैंस एजेसी सहित बवानीखेड़ा शहर में होटलों व दुकानों पर जांच अभियान चलाया। नागरिक अस्पताल के सामने लगभग आधा दर्जन होटलों व शहीद गुलाब सिंह, बाबा कमाल मंदिर के पास दुकानों पर कमर्शियल सिलेंडरों के कागज मांगने और दुकानदारों द्वारा इसे न दिखाने की एवज में 8 कमर्शियल सिलेंडर कब्जे में ले लिए। जहां घरेलू सिलेंडर 14 किलोग्राम व कमर्शियल 19 किलोग्राम का होता है। कमर्शियल सिलेंडर की अलग से कॉपी जारी की जाती है। खाद्य एवं पूर्ति निरीक्षक संजय कुमार द्वारा अपनी टीम सहित 8 कमर्शियल सिलेंडरों को कब्जे में ले लिया और रिकॉर्ड दिखाने पर सारे सिलेंडर वापस दे दिए।वर्सन- वहीं खाद्य एवं पूर्ति निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि प्रदेश की सिलेंडर की कालाबाजारी की खबरें आ रही हैं। विभाग के आदेशानुसार टीमें बनाई गई हैं। 8 बड़े कमर्शियल सिलेंडर पकड़े प्रयोगकर्ताओं से इसकी कॉपी होने पर रिकार्ड मांगा। रिकार्ड उपलब्ध कराए जाने पर सिलेंडर वापस दिए गए और उन्हें रिकार्ड रखने के लिए आगाह किया गया है। वहीं उन्होंने बताया कि किसी प्रकार से भी सिलेंडर की कालाबाजारी नहीं होने दी जाएगी।

परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

लाख काम छोड़कर परमात्मा का नाम करें सुमिरनः कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लग्न रखो तो ऐसी रखो कि लाख काम छोड़ कर भी परमात्मा के नाम का सुमिरन करो । सत्संग भी परमात्मा के नाम का ही गुणगान है। दुनिया की रस्मों को निभाओ लेकिन परमात्मा से तार कभी मत तोड़ो। सत्संग इंसान को अनुशासन में रख कर और सभी बुराइयों से दूर रख कर उतम जीवन जीना सिखाता है।

यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने राजस्थान प्रांत के अलवर जिले के गांव झरझिला में स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाए। हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि बेशक परमात्मा भक्त के हाजिर नज़ीर रहता है भक्त की पुकार पर वो पालक झपकने से पहले ही उसकी मदद को आ जाता है लेकिन फिर भी इंसान को दुनियादारी के गर फ़र्ज़ को भी पूरी ईमानदारी से निभाना चाहिए। हमेशा परमात्मा की रजा में रहो और सतगुरु के वचन में चलो। उन्होंने कहा की इंसान बड़ा स्वार्थी है वो दुख में तो परमात्मा की दुहाई देता है लेकिन सुख में प्रभु को बिसार देता है। परमात्मा तो बैठते उठते खाते सोते हर वक़्त आपके संग होना चाहिए फिर देखो परमात्मा आपकी कैसे मदद करता है। सैन भगत का प्रसंग सुनाते हुए हुजूर कँवर साहेब ने कहा कि अगर आपको समर्पण करना आ गया तो समझो साक्षात परमात्मा को आपने पा लिया। जब भक्त अपना बाल प्रभु के चरणों में हार जाता है तब वो सैन भक्त की मालिश करने आता है, नामदेव की छान छपाने आता है,प्रह्लाद की जान और द्रौपदी की लाज बचाने आता है। गुरु महाराज ने कहा कि जब हम ख़ुद को ही धोखे में रखते हैं तो परमात्मा को कहाँ याद करेंगे। कुसंग करने से कुशलता नहीं आती।दुनिया की वस्तुओं को केवल इतना परखो जितने की आवश्यकता हो। सत्संग का लाभ तभी मिलेगा जब आप संत सतगुरु के वचन में रह कर परमात्मा की आशिकी करोगे। दुनिया भले ही आपको काफिर कहे लेकिन आप मस्ती में अपनी भक्ति में लगे रहो।

इंसान के पांच दुश्मन

हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि इंसान के पांच दुश्मन हैं। काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार। विनाश करने में इनमें से एक ही काफ़ी है लेकिन इंसान तो पांचों से घिरा है। ये पाँच ही इंसान के कर्मों को बिगाड़ते और सुधारते हैं। जिस रावण के एक लाख पुत और सवा लाखी नाती थे उसके घर में कोई दिया जलाने वाला नहीं बचा क्यूँकि ज्ञानी होने के बावजूद उसने बुराइयों में घिरकर अपना कर्म बिगाड़ लिया। आपके चाहने से कुछ नहीं होगा क्यूंकि होता वो है जो परमात्मा चाहता है फिर किस बात की भटकन। गुरु महाराज ने फ़रमाया कि संतमत मुक्ति का सरल और सहज मार्ग बताता है।सतमय के तीन आधार हैं। सतगुरु सत्संग और सतनाम।ये तीन हमारे मन वचन और कर्म को कभी बिगड़ने नहीं देते।

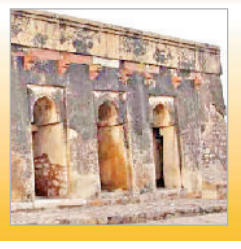

गुजरी महल

अबीर- हरियाणा में कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं। हरियाणा की ऐतिहासिक जगहें सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विश्व भर में फेमस है। हिसार में मौजूद गुजरी महल एक प्राचीन और प्रमुख ऐतिहासिक जगह है। इस महल का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था। बता दें कि ताजमहल की तरह ही ये भी प्रेम की निशानी है। दरअसल, फिरोजशाह तुगलक ने अपनी प्रेमिका गुजरी के लिए इस महल का निर्माण करवाया था। इस महल के अंदर दीवान-ए-आम और बरदारी भवन भी प्रसिद्ध हैं।

लोक संस्कृति के प्रहरी थे महाशय पालेराम

महाशय पालेराम की यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी।

कलाकार
रामबीर सिंह 'राम'

हरियाणा की धरती सदैव से वीरों, संतों और लोककलाकारों की जन्मभूमि रही है। इस मिट्टी की खुशबू में जहां शौर्य की गाथाएं रची-बसी हैं, वहीं लोकगीतों की मधुर धुनें भी इसकी आत्मा को जीवंत बनाए रखती हैं। इसी समृद्ध लोकपरंपरा के एक उज्ज्वल नक्षत्र थे महाशय पालेराम। महाशय पालेराम का जन्म 15 मार्च 1954 को हरियाणा के सोनीपत जिले के ऐतिहासिक गांव हलालपुर में एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता का नाम चंदराम और माता का नाम किशनी देवी था।

उनका मूल नाम धर्मपाल था, परंतु स्नेहवश लोग उन्हें 'पाले' कहकर पुकारते थे। कालांतर में यही नाम उनकी पहचान बन गया। बचपन से ही उनके मन में संगीत के प्रति गहरी ललक थी। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े पालेराम के जीवन में लोकगीतों, भजनों और रागनियों का वातावरण स्वाभाविक रूप से मौजूद था। गांव की चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में गूंजने वाले भजनों और रागनियों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। संगीत के प्रति विशेष अभिरुचि के कारण उनका मन पढ़ाई में कम ही लगता था, इसलिए उन्होंने आठवीं कक्षा में ही स्कूल छोड़ दिया। पढ़ाई छोड़ने के उपरांत उन्होंने अपने पिता के कार्यों में हाथ बंटाना आरम्भ कर दिया। उन दिनों हलालपुर में जाने-माने गायक बलबीर सिंह के बहुत कार्यक्रम होते थे। जब भी बलबीर सिंह का उनके गांव में आगमन होता, बालक पालेराम का अधिकांश समय उन्हीं के साथ व्यतीत होता। बालक पालेराम के संगीत प्रेम को देखकर बलबीर सिंह ने उन्हें अपना शिष्य बना लिया। इसके बाद पालेराम ने काफी समय तक अपने गुरु के प्रति श्रद्धावनत हो पूर्ण समर्पण के साथ शिक्षा ग्रहण की और संगीत की गहराइयों को आत्मसात किया।

उनका ध्येय मात्र एक लोकगायक बनना नहीं, वरन् एक लोकसाधक बनना था, जिसे कालांतर में उन्होंने बखूबी सिद्ध किया। तदुपरान्त पालेराम ने सन् 1973 में अपनी मंडली बनाकर गायन की शुरुआत की। उनकी गायकी में हरियाणवी बोली की मिठास, लोकजीवन की सादगी और भावनाओं की गहराई स्पष्ट झलकती थी। वे सामाजिक विषयों को भी अपने गीतों में प्रमुखता से स्थान देते थे। उनके गीतों में नैतिकता, भाईचारा, सामाजिक समरसता और मानवीय मूल्यों का संदेश विद्यमान होता था। इन विशेषताओं के साथ-साथ उनकी हास्य कला अद्भुत थी। इसी कारण वे शीघ्र ही हरियाणा के मूर्धन्य लोक गायकों की श्रेणी में शामिल हो गए। उनके मंच पर आते ही श्रोताओं के चेहरे खिल उठते थे। जब वे रागनी गाते थे, तो श्रोता मंत्रमुग्ध होकर आनंद से झूमने लगते थे। उनकी यह खासियत थी कि वे मंच पर केवल गाते नहीं थे, बल्कि अभिनय, हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों पर प्रहार भी करते थे। इस प्रकार वे मनोरंजन के साथ-साथ समाज सुधार का कार्य भी करते थे। अपनी प्रस्तुति के माध्यम से वे श्रोताओं के मानस पटल पर ऐसी छाप छोड़ते थे, जो लंबे समय तक स्मृति में बनी रहती थी। उनके पास गायन की सम्मोहक शैली का नायाब जादू था।

उनकी डोल्ली और उनके अंगों की विशिष्ट थिरकन के लोग दीवाने थे। यही कारण है कि उनकी कला ने न केवल जनमानस का मनोरंजन किया, बल्कि लोक संस्कृति को भी समृद्ध किया। धीरे-धीरे उनकी लोकप्रियता हरियाणा की सीमाओं को लांघकर पड़ोसी राज्यों तक फैलने लगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश, दिल्ली और राजस्थान के अनेक स्थानों पर अपने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जहां भी वे गाते, वहां जनसैलाब उमड़ पड़ता था। उनकी गायकी में लोकसंस्कृति की शुद्धता और गरिमा स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती थी। वे हमेशा शुद्ध हरियाणवी रागनियां गाते थे और कभी भी फूहड़ या अश्लील गीतों का सहारा नहीं लेते थे। उनका मानना था कि लोकसंगीत समाज का दर्पण होता है और इसे मर्यादित रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। वे अक्सर कहा करते थे कि ऐसे गीत गाने चाहिए जिन्हें पूरा परिवार एक साथ बैठकर सुन सके। इसी कारण उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी भी अश्लील गीत नहीं गाए और इस प्रवृत्ति का खुलकर विरोध भी किया। उनके अनुसार कलाकार का कर्तव्य केवल तालियां बटोरना नहीं, बल्कि समाज को सही दिशा देना भी होता है। हरियाणवी रागनी गायन की परंपरा के उस स्वर्णिम काल में अनेक सिद्धहस्त कलाकार अपनी कला का परचम लहरा रहे थे। राजकिशन अगवानपुरिया, मास्टर सतबीर भैंसवालिया, जगबीर कारोरिया, बाऊराम, ब्रह्मानंद, चंदन, बाली शर्मा, रमेश कलावड़िया तथा रणबीर बडवसनिया जैसे अनेक प्रतिष्ठित नाम उस समय रागनी मंच को आलोकित कर रहे थे। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों के मध्य महाशय पालेराम दहिया ने भी अपने असाधारण गायन कौशल और सशक्त प्रस्तुति के बल पर विशिष्ट पहचान स्थापित की। इन सभी ख्याति प्राप्त फनकारों के साथ उनके अनेक रंगकाट मुकाबले हुए, जिनमें उन्होंने कई बार अपनी कला की विजय पताका फहराते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। यद्यपि उनके मुकाबले लगभग प्रत्येक कलाकार के साथ अत्यंत सफल और लोकप्रिय होते थे, तथापि मास्टर सतबीर भैंसवालिया के साथ उनकी जोड़ी विशेष रूप से दर्शकों के हृदय में बस गई थी। यह अद्वितीय संगति लगभग चार दशकों तक निरंतर मंचों पर अपना जलवा दिखाकर श्रोताओं को रोमांचित करती रही। वह समय ऐसा था, जब उनके प्रशंसकों के बीच इस जोड़ी की लोकप्रियता चरमोत्कर्ष पर थी। ग्रामीण अंचलों में लोग अपने बच्चों के विवाह जैसे शुभ अवसरों पर इनके कार्यक्रम को अनिवार्य मानते थे। इतना ही नहीं, यदि नियत तिथि पर यह युगल उपलब्ध न हो पाता, तो अनेक परिवार अपने बच्चों के विवाह की तिथि तक परिवर्तित कर देते थे, ताकि इन दोनों महान लोकगायकों की सुरमयी प्रस्तुति उनके उत्सव को गौरवान्वित कर सके। महाशय पालेराम के जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि उन्होंने कभी धन को अपनी प्राथमिकता नहीं बनाया। जो भी मान-सम्मान और पारिश्रमिक उन्हें मिलता, उसे वे सहज भाव से स्वीकार कर लेते थे। उनका मानना था कि "कला को बेचा नहीं जाता, कला का प्रचार किया जाता है।" इस विचारधारा के कारण वे लोकसंगीत के क्षेत्र में एक आदर्श कलाकार के रूप में देखे जाते थे। उन्होंने अपने कार्यक्रमों के माध्यम से अनेक मंदिरों, चौपालों और गोशालाओं के निर्माण के लिए चंदा एकत्रित करवाया।

लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी।

उनके प्रयासों से कई सामाजिक और धार्मिक कार्यों को बल मिला। वे मानते थे कि कलाकार का दायित्व केवल मंच तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि उसे समाज के कल्याण में भी योगदान देना चाहिए। उनके अनुसार हरियाणा लोकगायन परंपरा केवल एक कला नहीं, बल्कि सामाजिक परिष्कार का माध्यम है। महाशय पालेराम ने इस परंपरा को जीवित रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे गांव-गांव जाकर कार्यक्रम करते थे और लोगों को अपनी संस्कृति से जोड़ते थे। महाशय पालेराम ने लोक गायकी के माध्यम से न केवल मनोरंजन किया बल्कि सामाजिक और आध्यात्मिक संदेशों को भी जन-जन तक पहुंचाया। उनके द्वारा गाई गई अनेक रागनियां जैसे- हे मानव शुभ कर्म कर्या कर, तेरी काशीजी का रूल, गंगाजी तेरे खेत मैं, तेरी महारानी कै बेटा होग्या, बादल झुकरे बिज्जल पाटैं, साधु सैं घरबारी कोन्या, गिण कै दे लिए बोल, सिर मैं भड़क आंख मैं पाणी, सारी नगरी हे मां मेरी सो रही री- उस दौर की भांति आज भी हरियाणवी लोक संगीत प्रेमियों के बीच उतनी ही लोकप्रिय हैं। उन्होंने आकाशवाणी और दूरदर्शन के माध्यम से भी हरियाणा की लोककला को व्यापक पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनके गाए गीतों के दौर ने हरियाणवी संगीत के प्रसार को एक नई दिशा और गति प्रदान की थी।

उन्होंने एक लोकगायक के रूप में 15,000 से अधिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति दी। लोक गायन और हरियाणवी लोकसंस्कृति में उनके असाधारण योगदान को देखते हुए 1 नवंबर 2010 को हरियाणा दिवस के अवसर पर हरियाणा सरकार ने उन्हें प्रतिष्ठित "फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड" से सम्मानित किया। यह सम्मान उनके लंबे और समर्पित कलात्मक जीवन की सार्वजनिक स्वीकृति थी। इस पुरस्कार ने उनके योगदान को और अधिक प्रतिष्ठा प्रदान की। "हंसना-हंसाना ही जीवन है" फलसफे के पैरोकार महाशय पालेराम 24 मई 2023 को सदा के लिए हरिचरणों में लीन हो गए। उनका जाना केवल एक व्यक्ति का अवसान नहीं था, बल्कि एक युग का अंत था। उनके साथ हरियाणवी लोकगायकी की एक सशक्त आवाज मौन हो गई। किंतु आज भी हरियाणा सहित उत्तर भारत के अनेक राज्यों के गांवों की चौपालों, मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों में जब उनके भजन-रागनियों का उल्लेख होता है, तो लोग श्रद्धा और गर्व के साथ उनका नाम लेते हैं। उनकी सुरीली आवाज और भावपूर्ण गायन शैली श्रोताओं के दिलों में आज भी जीवित है। उनके भजन-रागनी सदैव लोगों की स्मृतियों में रचे-बसे रहेंगे।

लोकप्रियता अक्सर कलाकार को अहंकार की ओर ले जाती है, लेकिन पालेराम का व्यक्तित्व इससे परे था। वे सरल, विनम्र और सहज स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी वाणी में मधुरता थी और व्यवहार में अपनापन। उनके सुर, उनकी शैली, उनकी सादगी और उनका व्यक्तित्व सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने हरियाणा की लोकसंस्कृति को जो ऊंचाई दी, वह सदैव इतिहास के पन्नों में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। वर्तमान में महाशय पालेराम की इस गौरवशाली एवं समृद्ध सांगीतिक परंपरा को उनके शिष्य नरेन्द्र खरकरामजी, राजेश हाथी, अमित रोहणा, मनदीप मलिक लाख, महेंद्र छारा, धर्मबीर लोवा और सुनील कुमार हलालपुर आदि पूर्ण निष्ठा, समर्पण और आदरभाव के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। वे अपने पूज्य गुरुजी की सादगी, सुरों की मधुरता और लोकसंस्कृति के प्रति समर्पित भाव को आत्मसात करते हुए रागनी गायन की उस अमूल्य धरोहर को निरंतर जीवंत बनाए हुए हैं। इस प्रकार वे न केवल अपने गुरुजी की स्मृतियों को सजीव रखे हुए हैं, बल्कि हरियाणवी लोकसंगीत की उस प्रतिष्ठित परंपरा को भी नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।

व्यंग्य | पूजा गुप्ता

तड़के का फड़का

आजकल बड़ा ट्रेंड चला है इंस्टाग्राम और यूट्यूब में। फलाने -ढिकाने के चैनल चल पड़े हैं। 'बिना तेल-मसाले के कैसे पकौड़े बनायें', 'सिर्फ दो चीजों से कैसे टेस्टी नाश्ता बनायें' वगैरह-वगैरह। लहसुन के दाम में सुरसा सी महंगाई, इनके बिना भोजन जैसे 'भैरो बाबा का भंडारा।' दावे भी अजब-गजब हैं इन चैनल वालियों के। एक आंटी अपने एक वीडियो में दावा कर रही थी कि 'बिना बेले पूड़िया कैसे तलें!' ये सुनकर दिमाग चकरा गया।

एक दीदी तो एक ग्लास दूध से आधा किलो बर्फी बनाने की बात कर रही थी। मतलब मिठाइयों की दुनिया में इससे बड़ी क्रांति हो ही नहीं सकती थी। एक वीडियो वाली दीदी ने तो हद ही कर दी। 'बिना पनीर के कैसे पनीर की सब्जी बनायें।' मतलब इस दीदी के आगे पीसी सरकार भी फेल। मैंने भी दीदी को पदवी दे ही डाली, 'रसोई के रंगमंथरा दीदी के संग।' एक दिन एक अनजान नंबर से फोन आया कि कृपया लाइक और सब्सक्राइब करें हमारा फूड चैनल.. ! 'स्वादलोलुप कक्की का चौका।'

उसके तुरन्त बाद उसी नंबर से फोन आया तो पता चला कि गांव की 'गप्पी काकी' ने यह चैनल बनाया है। ये वही 'गप्पी काकी' हैं जिनके गप्पे के चलते सास उन्हें सिखाते-सिखाते परलोक सिधार गयीं लेकिन रोटी गोल बेलना नहीं सिखा पायीं। इससे बढ़िया तो घर के तड़के की बात अलग है। जो एक बूंद सरसों के तेल में साबूत लाल मिर्च जलाती है अम्मा, और खंसवा-खंसवा कर हमारी अंतड़ियां मुंह के रास्ते निकलवा देती है। उसके अलौकिक तड़के के सामने सब कुछ फेल ही है। सब कुछ देखने-सुनने के बाद यही निष्कर्ष निकला कि सचमुच 'टीवी वाली दीदी, आंटी की थाली से बेहतर अपनी 'अम्मा की गाली और थाली' ही बेहतर है।

कविता | मनजीत सिंह

अपणा कर्म अपणे आगे

जैसी करणी वैसी भरनी, ये जग का साचा फेरा,
आज बोया सै जो तू, कल काटेगा वो ढेरा,
झूठ की चादर ओढ़ ले चाहे, साच रहै ना हारा,
समय आवे जब हिसाब का, खुल ज्या सारा पसारा।

जीते जी जो बूंद ना दे, प्यासे नै इक घूंट,
मरणे पाछे भोग धरावै, करै दिखावे लूट,
मां-बाप नै तज कै बैठा, जग मैं बनै सयाणा,
ओही बालक कल देखिये, तेरै तै मुँह फेर जाणा।

सगे-संबंधी हाल ना पूछें, जब तक साँस चलै,
दुख की घड़ी मैं दूर खड़े, ना कोई पास मिलै,
मरणे पाछे रोवण लागें, करैं आँसू का नाटक,
मन मैं रत्ती भर दुख ना, बस दिखावे का झटका।

गाँव-गली मैं नाम कमावै, ऊंची-ऊँची बात,
भीतर सै खोखला होवै, झूठी उसकी जात,
कीकर बो कै आम की आस, कैसी ये अंधियाणी,
जैसी धरती वैसा फल दे, ये प्रकृति की कहानी।

कहै मन का साचा दरपन, कर्मां तै मत भाग,
आज नहीं तो काल सही, मिले कर्म का भाग,
तेर-मेर का झगड़ा छोड़ दे, सबका लेखा-जोखा,
ऊपर बैठा देख रह्या सै, ना कोई उसका धोखा।

हर घर की अजब कहानी, हर जीव का अलग फेरा,
पर न्याय की डोरी मजबूत सै, मनजीत ना टूटे ये घेरा,
जैसी करणी वैसी भरनी, मान ले बात सयाणी,
कर्म बिना ना छूटे कोई, यही सै सच्ची बाणी।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

थासन | 15 अगस्त 1857 को भीषण युद्ध में कई क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए, अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए

खरखौदा में भी लड़ा गया था अंग्रेजों से रक्त रंजित युद्ध

इतिहास | यशपाल गुलिया

वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान हरियाणा क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय युद्ध लड़े गए थे। जैसे सिरसा जिले के ओढा कस्बा और वैरिका गांव, हिसार में मंगाली गांव और बल्ला गांव में, रोहतक, नारनौल व मेवात क्षेत्र में युद्ध लड़े गए।

उसी अवधि में सोनीपत के कस्बे खरखौदा में भी 15 अगस्त 1857 को एक रक्त रंजित युद्ध हुआ था। यह पंजाब कवैलरी नामक बटालियन के बागी रिसलदार बिसारत अली के नेतृत्व में लड़ा गया था। संग्राम के दौरान अंग्रेजों की विशाल सेना दिल्ली की रिज पर डेरा डाले हुए थी। अंग्रेज सेना दिल्ली पर फिर से अधिकार प्राप्त करने के लिए चार मास तक प्रयास करती रही थी। उस मुख्य अंग्रेज सेना को हरियाणा की तरफ से पीछे से आक्रमण होने का खतरा बना रहा था, जिसके लिए अंग्रेज बार-बार दिल्ली को रिज से सैनिक टुकडी भेजकर सेनानियों पर आक्रमण करते थे। उसी क्रम में दिल्ली रिज पर स्थित अंग्रेजों ने खरखौदा में एक सेना भेजी थी। दरअसल, उनको समाचार मिला था कि प्रथम पंजाब कवैलरी के बहुत से बागी घुड़सवार खरखौदा में इकट्ठे हो चुके हैं। तब अंग्रेजों ने दिल्ली से विलियम हड़सन के नेतृत्व में एक उपयुक्त सेना 14 अगस्त 1857 को भेजी। अंग्रेजों द्वारा उस संकलित सेना में 25 सैनिक जीन्द राजा के थे। सेनानियों ने भी उपयुक्त तैयारी कर ली थी, जिनका नेतृत्व बिसारत अली नामक रांघड़ कर रहा था। उसने आसपास के क्षेत्र हसनगढ़ आदि के सहजातीय रांघड़ युवाओं को संगठित कर लिया था। इसी क्रम में रोहतक के किले में बाबर खां रांघड़ के नेतृत्व में सेनानियों की एक सेना इकट्ठी हो गई थी। हालांकि, सभी के संगठित होकर दिल्ली स्थित अंग्रेज सेना पर पीछे से आक्रमण करने की उनकी योजना क्रियान्वित होने से पहले ही अंग्रेजों ने खरखौदा में अपनी सेना भेज दी। इस प्रकार बिसारत अली की सेना व हडसन अंग्रेज की सेना के मध्य 15 अगस्त 1857 को एक भीषण युद्ध हुआ। इसमें बिसारत अली सहित अनेक क्रान्तिकारी वीरगति को प्राप्त हुए तथा अंग्रेज सेना के भी काफी सैनिक हताहत हुए। हडसन अंग्रेज को विजयश्री मिली तथा 16 अगस्त को उसकी सेना रोहतक की ओर कूच कर गई। खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था। उसके बाद दो विक्टेरिया क्रॉस नारनौल की सराय में लड़े गए युद्ध में दिए गए थे। इसको कुछ लेखकों ने केवल नसीबपुर का युद्ध लिखा है, जबकि वास्तव में वह युद्ध हुस्ना वाला बाग नारनौल शहर व सराय बालमुकुन्द के अहाते में भी लड़ा गया था। सराय के समीप ही अंग्रेज कमान्डर जेरारड की गोली लगने से मृत्यु हुई थी। खरखौदा युद्ध के बाद 26-27 अगस्त को नजफगढ़ में भी एक भीषण युद्ध हुआ था, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से उपरोक्त युद्धों का वर्णन विद्यार्थियों की पाठ्यपुस्तकों में शामिल नहीं किया गया, जबकि ऐतिहासिक 1857 के संग्राम को गदर के नाम से ज्यादा प्रचारित किया गया है। लेखक ने (हरियाणा के अज्ञात युद्ध) नामक अपनी पुस्तक में सभी मुद्दों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया है।

सोनीपत जिले के खरखौदा कस्बे में 15 अगस्त 1857 को हुए भीष्ण युद्ध के दौरान अंग्रेज सेना से भिड़ते क्रान्तिकारी। (सांकेतिक चित्र)

खरखौदा के युद्ध में चार्ल्स गफ नामक अंग्रेज को विक्टोरिया क्रॉस प्राप्त हुआ था, जिससे उस युद्ध की भीषणता का आभास होता है। हरियाणा क्षेत्र में लड़े गए युद्धों में वह प्रथम विक्टोरिया क्रॉस था।

प्रकृति का चितेरा कलाकार है अमन यादव

चित्रकार | डा. ओमप्रकाश कादयान

जब हम बाग-बगीचों में जाते हैं तो एक से बढ़कर एक सुन्दर पेड़-पौधों, फूलों, पत्तों को देखकर आकर्षित होते हैं। यात्राओं पर जाते हैं तो पहाड़ों, जंगलों, वादियों, नदी, झरनों, झीलों, रंगीन पक्षियों को देखकर प्रफुल्लित हो जाते हैं। कुदरत का ये वो आकर्षण होता है जो सबको आकर्षित किए बिना नहीं रहता। आम आदमी ये नजारे देखकर आल्हादित हो

जाता है तो एक छायाकार प्रकृति के उस सौन्दर्य को स्थाई बनाने के लिए अपने कैमरे में कैद कर लेता है। एक कवि-लेखक अपनी रचनाओं में शब्दों के माध्यम से ढालने की कोशिश करता है, तो एक कुशल चित्रकार रंगों व बुरश के माध्यम से कागज या कैनवास पर चित्रित करके प्रकृति की भांति दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

प्रकृति का चितेरा दक्ष कलाकार जब किसी भी सुंदर दृश्य को कैनवास पर बनाता है तो यथार्थ के साथ-साथ उसमें कल्पनाओं के भी रंग भरकर उसे अधिक मनोहारी बना देता है। प्रकृति की नकल करना इतना आसान नहीं है, किन्तु अनुभवी व रंगों से खेलने वाला कुशल चित्रकार ये कमाल कर देता है। हमारे ही बीच में कुछ कलाकार हैं जो चमत्कारी ढंग से प्रकृति के दिव्य दृश्यों को सजीव-से बना डालते हैं। ऐसे एक कलाकार का नाम है-अमन कुमार यादव।

रेवाड़ी जिले के मुण्डिया खेड़ा गांव में मोहनलाल यादव व सरदारी देवी के घर जन्मा अमन यादव आज कला क्षेत्र का उभरता नाम है। अमन को प्रकृति तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत, ग्रामीणांचल से काफी लगाव है। यही कारण है कि

इनके चित्रों के अधिकतर विषय भी यही हैं। युवा चित्रकार अमन के चित्रों में प्रकृति के विभिन्न रूप देखने को मिलते हैं। बहुत से चित्रों में हरी घास के मैदान, लहलहाती फसलें, चहकती-आकर्षित करती सुंदर वादियां, सदाबहार जंगल, देवदार-चीड़ अन्य पहाड़ी दरखतों, झाड़ियों, जड़ी-बूटियों से लदे पहाड़, उससे ऊपर ग्लेशियरों से ढकी चोटियां, चोटियों पर मण्डराते, उमड़ते-घुमड़ते मेघों के समूह, कुछ चित्रों में रंगीन पेड़ों की कतारें, पहाड़ों के बोलते से लगते पत्थर, कहीं बरसात का भीगा मौसम, नभ-मण्डल पर उड़ते पंछियों की कतारें, संध्याकाल में सूर्य की लालिमा दृश्यों को देती स्वर्णिम आभा, सोने के रंग में तब्दील होते ग्लेशियर, ये सब दृश्य इनके चित्रों का हिस्सा हैं। अमन ने अपने चित्रों में हवा को गति, नदियों को वेग, झरनों को संगीत देने का प्रयास किया है। अमन के कुछ चित्रों में तो इतना आकर्षण भरा है कि स्वप्न-लोक-सा लगता है। चित्रकार ने भारतीय पक्षियों की सुंदरता भी कैनवास पर चित्रित की है। इनकी पेंटिंग दर्शकों से सीधा संवाद करती प्रतीत होती हैं। युवा चित्रकार अमन यादव को प्रकृति के साथ-साथ अपनी संस्कृति, गांव-देहात, जन-जीवन, खेत-क्यार, ग्रामीण रीति-रिवाजों से भी विशेष लगाव है। इन्होंने अपने चित्रों में पनघट परम्परा, कुएं-जोहड़, काम करती, पानी भरकर लाती महिलाएं, किसान की संघर्ष गाथा को भी स्थान दिया है। इसके साथ-साथ प्राचीन कलात्मक इमारतें, मंदिर, देवी-देवताओं के चित्र बनाए हैं। हरियाणा में चौपालें, तालाब, छतरियां, कुएं, हवेलियां, किले तथा यहां की लोककला समृद्ध रही है, ये इन्होंने चित्रों के माध्यम से बताने का प्रयास किया है। ये पोट्रेट भी सुंदर बना लेते हैं। कलाकार प्रकृति, संस्कृति के चितेरे के साथ-साथ संवेदनशील प्रवृत्ति के हैं। अमन वैसे तो हर तरह के रंगों को प्रयोग दक्षता पूर्वक कर लेते हैं, पर ये अक्रैलिक ऑयल रंगों का प्रयोग अधिक करते हैं। अमन से ये पूछने पर कि पेंटिंग की शुरूआत कैसे हुई? इसके जवाब में अमन ने बताया कि शुरुआती दौर में उन्होंने गुरु अजीत सिंह तथा प्रताप सिंह रंगीला से प्रेरित होकर सजावटी प्राकृतिक तरीके से ब्रुश चलाना सीखा। फिर मैंने खूब अभ्यास किया और अच्छी पेंटिंग बनती गई। 15 जनवरी 1979 को जन्मे अमन बीएफए की पढ़ाई करने के बाद पेंटिंग करने में जुट गए। इन्होंने गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड के लिए 1391.74 लम्बी पेंटिंग की। 9 मार्च 2019 को भिवानी में आयोजित प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 13-14 अप्रैल 2019 को रेवाड़ी में आयोजित राष्ट्रीय कला कार्यशाला व रैंप शो में सर्वश्रेष्ठ कलाकार का पुरस्कार जीता। एक सितम्बर 2016 में 'आरएएस रंग आर्टस' द्वारा आयोजित गांधी आर्ट गैलरी, नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय पेंटिंग प्रदर्शनी व सह प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 24 नवम्बर 2018 को रेवाड़ी में आयोजित 'प्रतिभा सम्मान' प्राप्त किया।

ये मिले पुरस्कार और सम्मान

अमन ने राष्ट्रीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बेहतर प्रदर्शन किया। इन्हें अनेक जगह सम्मानित किया गया। गिनीज बुक्स ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड पेंटिंग-पीपल आफ मेरठ में इनका नाम शामिल किया गया। इन्हें कला निधि पुरस्कार, शोभा सिंह पुरस्कार, यादव गौरव पुरस्कार, कला रत्न पुरस्कार तथा अचीवमेंट अवार्ड सहित कई सम्मान मिले।

खबर संक्षेप

बीएसपी संस्थापक को श्रद्धासुमन अर्पित किए

चरखी दादरी। घिकाड़ा रोड स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर शिक्षा एवं जनकल्याण समिति मुख्य कार्यालय परिसर में बामसेफ डीएस एव बीएसपी संस्थापक बहुजन नायक साहेब कांशीराम के जन्मोत्सव पर कार्यक्रम का आयोजन किया और उन्हें श्रद्धाजंलि दी। इसके साथ ही सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। श्रद्धाजंलि सभा की अध्यक्षता समिति प्रधान विजय लोहरवाडा ने की। उन्होंने केंद्र सरकार से कांशीराम को भारत रत्न देने की पुरजोर मांग रखी। विजय ने कहा कि आज के समय में साहब कांशीराम के विचारों की प्रासंगिकता अधिक हो चली है, वो ऐसी शख्सियत रहे, जिन्होंने अपने जीवन काल में दलितो, मजदूरों, किसानों, पिछडों, अल्पसंख्यकों तथा शोषितों को एक मंच पर लाकर उनको सत्ता तक पहुंचाया।

दादरी पब्लिक स्कूल की चेयरपर्सन का निधन

चरखी दादरी। दादरी पब्लिक स्कूल की चेयरपर्सन व दादरी पब्लिक स्कूल के निदेशक मुन्ना लाल गुप्ता की माता कृष्णा देवी का रविवार को 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से शिक्षा जगत व शहर में शोक की लहर है। कृष्णा लंबे समय से सामाजिक व शैक्षणिक कार्यों से जुड़ी हुई थी। दादरी पब्लिक स्कूल के संचालन और विकास में उनका विशेष योगदान रहा है। उनके मार्गदर्शन में स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की और क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। स्कूल निदेशक मुन्नालाल गुप्ता ने बताया कि उनकी माता कृष्णा का निधन समाज और शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

भीम आर्मी ने धूमधाम से मनाई कांशीराम जयंती

भिवानी। भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी ने हनुमान गेट स्थित अंबेडकर पुस्तकालय में बहुजन नायक कांशीराम की जयंती व आजाद समाज पार्टी का छठा स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में भीम आर्मी के प्रदेश उपाध्यक्ष गोल्डी वाल्मीकि व प्रदेश महासचिव एडवोकेट संतलाल अंबेडकर ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थितजनों ने बहुजन नायक कांशीराम की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्पित करके किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भीम आर्मी के प्रदेश के नेता प्रवीन मेहरा ने की। पार्टी के प्रदेश महासचिव एडवोकेट संतलाल अंबेडकर ने युवाओं से आह्वान किया कि वे बहुजन नायक कांशीराम के जीवन से प्रेरणा लेकर सत्ता में हमें भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांशीराम अपना पूरा जीवन ने बहुजन समाज को ऊंचा उठाने तथा उनके अधिकार दिलाने में लगा दिया।

विश्व मानव रूहानी केन्द्र में 71 मरीजों की हुई जांच

भिवानी। विश्व मानव रूहानी केन्द्र शाखा भिवानी द्वारा डाबर कॉलोनी में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में डॉ. सुनीता दुहन की टीम ने 71 मरीजों के बीपी, शुगर व अन्य बीमारियों की जांच की। संस्था के सदस्य रोहताश कुमार व उल्फ सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि संस्था संत बलजीत सिंह द्वारा सिखाए गए मार्ग पर चलते हुए नैतिक जीवन, अध्यात्मिकता, ध्यानाभ्यास व अन्य सामाजिक कार्यों में भाग ले रही है।

जनसंख्या नियंत्रण कानून लाओ देश बचाओः रौनक

भिवानी। दिनोद गेट स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में रौनक गिरी महाराज ने जनसंख्या नियंत्रण पर चलाए अभियान में सभा बुलाई। महाराज ने बताया कि जनसंख्या नियंत्रण पर पूरे देशभर में जागरूकता अभियान चला रखा है। उन्होंने कहा कि इस पर कानून लागू हो। उन्होंने कहा कि 22 मार्च को जंतरमंतर पर धरना कर रहे हैं। धरने में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंच कर देश में जागरूकता लाने का कार्य करें।

80 वर्षीय जगदीश पहुंचे परीक्षा देने, पूरा प्रश्नपत्र किया हल

साक्षर कहलाने का जुनूनः घूंघट की आड़ में महिलाओं ने लिखा पेपर

- रविवार को नव साक्षर परीक्षा का आयोजन किया गया
- घरेलू महिलाएं और 50 से 60 वर्ष के प्रौढ़ और बुजुर्ग परीक्षा देने पहुंचे

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में उल्लास परीक्षा का आयोजन में उपस्थितजन।

बवानीखेड़ा स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में उल्लास परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर नॉडल अधिकारी विजयपाल ने अपनी अहम भूमिका अदा की। परीक्षा में प्रवक्ता सत्यवान, पंकज कुमार, विजय कुमार, नरेन्द्र सिंह, कृष्ण कुमार, रमेश कुमार आदि ने परीक्षा पर कड़ी नजर रखी। परीक्षा में 80 वर्षिय जगदीश चर्चा का विषय बने रहे। जिन्होंने बिना किसी का सहारा लिए परीक्षा स्थल पर पहुंचकर दो घंटे की परीक्षा दी। रविवार को नव साक्षर परीक्षा का आयोजन किया गया लेकिन इसमें स्कूली बच्चों की बजाय घरेलू महिलाएं और 50 से 60 वर्ष के प्रौढ़ और बुजुर्ग परीक्षा देने पहुंचे थे। भारत सरकार के द्वारा चलाए जा रहे उल्लास नवभारत साक्षरता मिशन अभियान के अंतर्गत पढ़ लिखकर साक्षर होने का अधिकार प्राप्त कर लिया है। रविवार को बवानीखेड़ा में 62 लोहारी जाटू में 33 नवसाक्षरों के द्वारा पंजीकरण करवाया गया था जिसकी रविवार को परीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया था। सुबह 10 से 12, 12 से 2, 2 से 4, 4 से 5 बजे तक का समय निर्धारित किया गया था। साक्षर परीक्षा देकर पढ़ने और लिखने का अधिकार प्राप्त कर चुके हैं।

पोते-पोतियों को पढ़ते देख शुरू की पढ़ाई

नव साक्षर परीक्षा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। यहां परीक्षा देने पहुंचे 80 वर्षीय जगदीश ने बताया कि उन्होंने पूरा प्रश्न पत्र हल कर दिया है। पहले घर के काम और मजदूरी की वजह से पढ़ाई लिखाई नहीं कर सके, लेकिन अब अपने बच्चों और पोते पोतियों को पढ़ते लिखते देख मन में साक्षर होने की इच्छा जागी है। वे हर क्षण सीखने का प्रयास करते हैं।

बुजुर्ग मन लगाकर सीख रहे ककहरा, महिलाएं भी कम नहीं

मौके पर मौजूद शिक्षकों ने बताया कि घुंघट की ओट में पहुंची बुजुर्ग महिलाओं में भी इस परीक्षा का जोश देखने का मिला। ये परीक्षा कारगर सिद्ध हो रही है और जो अपने समय में किसी कारणवश नहीं पढ़ सके उनके लिए वरदान साबित हो रही है। सभी ने विभाग की इस योजना की सराहना की।

नव साक्षर अब पढ़ते हैं अखबार, चलाते हैं मोबाइल

परीक्षा देने आए रामरति, चांदीराम, महाबीर, ज्योति, रामबाई आदि ने बताया कि पहले वह ना मोबाइल चला सकते थे और ना ही अखबार पढ़ सकते थे। लेकिन अब वह मोबाइल भी चला सकते हैं और चाय की ढुकान पर अखबार भी पढ़ सकते हैं। केवल पुरुष ही नहीं ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं और गृहिणी भी साक्षर होने में रुचि ले रही हैं। इसी केंद्र पर परीक्षा दे रहीं रामरति ने बताया कि वह अब अंगूठा नहीं लगाती हैं, हस्ताक्षर करती हैं।

चरखी दादरी। मरीजों की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी। *फोटो : हरिभूमि*

शिविर में 45 यूनिट रक्त एकत्रित 198 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

- मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने शिविर का करवाया आयोजन

मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने गांव खेड़ीबतर की सुखोई एकेडमी व शीशवाला में मेडिकल व रक्तदान शिविर, मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह व रोजगार मेला आदि सामाजिक मुहिम के तहत आयोजित किए। अध्यक्षता सतीश खत्री व मनोज शर्मा ने की। मुख्यतिथि कुलदीप सिंह, विरेंद्र सांगवान व आलोक सांगवान रहे। संगठन युवा विंग अध्यक्ष अधिवक्ता डॉ. अनिल बलवान साहू ने कहा कि विद्यार्थी व युवा अपने सामाजिक सरोकारों के लिए हमेशा तत्पर रहने को जीवन का प्राथमिक लक्ष्य बनाए, समाज के उत्थान में उनकी कार्यशैली हमेशा सकारात्मक उर्जा से भरी रहनी चाहिए।

अनिल साहू ने बताया कि रक्तदान कैप के दौरान उद्यम सिंह जैन राजकीय अस्पताल की टीम ने 45 यूनिट रक्त एकत्रित किया और बैज एवं प्रमाण पत्र देकर रक्तदाताओं को सम्मानित किया। मेडिकल कैंप में गीतांजलि, सुविधा एवं फीट फयूचर आदि की टीम ने 198 मरीजों की आंख, हड्डी रोग व सामन्य रोगों की जांच की और उन्हें दवाइयां वितरित की।

इन्होंने की जांच

चिकित्सीय टीम मुनेश, निर्मला, ममता, संतोष, अनिल शर्मा व सहयोगियों ने सेवाएं दी। सम्मान समारोह के दौरान 101 बच्चों को खेलों, सामाजिक कार्यों में स्वयंसेवा व अन्य गतिविधियों के लिए सम्मानित किया। रोजगार मेले में रोहतक की प्रसिद्ध कंपनी प्रतिनिधियों द्वारा इंटरव्यू के उपरांत 27 को चयनित किया। इस मौके पर अधिवक्ता अनिल सांगवान, प्रोफेसर विरेंद्र सांगवान, बीरसिंह, अमन, अजय, अंशुमान, अशोक, अक्षय, दीपक, नरेश, मधुर गुप्ता, घनश्याम, गज्जू, हरीसिंह, इंद्रवेश, बलकेश व मंदीप, मंजीत थे।

भिवानी में नव विक्रमी संवतसर 2083 के उपलक्ष्य में भव्य धार्मिक आयोजन 16 से

छोटी काशी भिवानी में नव विक्रमी संवतसर-2083 का स्वागत बेहद श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जाएगा। जामपुर सेवा समिति (रजि.) द्वारा आयोजित इस त्रि-दिवसीय उत्सव में आध्यात्मिक सत्संग, प्रवचन और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

छोटी काशी भिवानी में नव विक्रमी संवत-2083 का स्वागत बेहद श्रद्धा और उत्साह के साथ किया जाएगा। जामपुर सेवा समिति (रजि.) द्वारा आयोजित इस त्रि-दिवसीय उत्सव में आध्यात्मिक सत्संग, प्रवचन और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण तपोभूमि परमहंस योगाश्रम भिवानी के परम पूज्य स्वामी कृष्ण नन्द सरस्वती महाराज का पावन सान्निध्य होगा। उनके मार्गदर्शन में बालयोगिनी साध्वी विभानन्द सरस्वती अपनी मधुर वाणी से सत्संग और ज्ञानमयी प्रवचनों की वर्षा करेंगी, जिससे क्षेत्र के श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति और नई ऊर्जा प्राप्त होगी। इस बारे में जानकारी देते हुए जामपुर सेवा समिति के महासचिव विनोद मिर्ग ने बताया कि कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से चलाने के लिए समय-सारणी निर्धारित की है। जिसके तहत 16 मार्च सोमवार को शाम 6 बजे ज्योत स्थापना के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ होगा। यह कार्यक्रम स्थानीय कृष्णा कॉलोनी स्थित श्री राम मन्दिर चार मरला में होगी। इसके बाद 17 से 19 मार्च तक मुख्य कथा अमृत का प्रवाह प्रतिदिन शाम 4:30 बजे से 7:30 बजे तक धर्मचन्द तीकिया सभागार में होगा। वही 19 मार्च उत्सव के समापन पर दोपहर 12:30 बजे से 2:30 बजे तक विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह पूरा आयोजन डा. विद्यासागर चैरिटेबल अस्पताल परिसर स्थित श्री धर्मचन्द तीकिया सभागार कृष्णा कॉलोनी में संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि कि कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और स्थानीय निवासियों में इसे लेकर भारी उत्साह है। उन्होंने बताया कि धार्मिक आयोजन के साथ-साथ समाज कल्याण पर भी जोर दिया जा रहा है। समिति के अंतर्गत संचालित स्व. वास देवी गंगाराम बजाज धर्मार्थ महिला सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का नया सत्र एक अप्रैल से शुरू होने जा रहा है, जिसके दाखिले भी आरंभ हो चुके है। उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना है। 6 माह के प्रशिक्षण के उपरांत प्रमाणपत्र भी दिया जाता है।

सरकारी विभागों का निजीकरण कर कर्मचारी व जनता के हितों का शोषण कर रही है सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

कृष्णा प्रणामी धर्मशाला में पटवार कानूनगो एसोसिएशन (संबद्ध सर्व कर्मचारी संघ) का जिला स्तरीय सम्मेलन अत्यंत उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। राज्य प्रधान जयबीर चहल की गरिमामयी देखरेख में आयोजित इस कार्यक्रम में संगठन की मजबूती और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम की रूपरेखा सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव धर्मवीर भाटी द्वारा तैयार की गई थी। सम्मेलन की शुरुआत लोकतांत्रिक और पारदर्शी तरीके से हुई। इस दौरान पूर्व कोषाध्यक्ष ने पिछले 3 वर्षों के आय-व्यय का पूरा ब्यौरा सदन के सामने रखा। निवर्तमान सचिव ने संगठन की गतिविधियों की रिपोर्ट पेश की, जिसे पूरे हाउस ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया। सम्मेलन के दौरान सर्व कर्मचारी संघ के नेताओं ने सरकार की कार्यप्रणाली पर जमकर निशाना साधा। जिला सचिव धर्मवीर सिंह भाटी और सह-सचिव शैलेन्द्र सिंह परमार ने संयुक्त रूप से कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार की नीतियां जनविरोधी हैं।

वादे नहीं किए पूरे

उन्होंने कहा कि सरकार लगातार सरकारी विभागों का निजीकरण कर रही है, जो न तो कर्मचारियों के हित में है और न ही आम जनता के। मुख्यमंत्री ने पटवार कानूनगो एसोसिएशन से जो वादे किए थे, वे आज तक अधूरे हैं। सरकार केवल वादों और झूठ के सहारे चल रही है। सम्मेलन के अंतिम चरण में नई ऊर्जा के साथ आगामी कार्यकाल के लिए पदाधिकारियों का चुनाव किया गया।

पटवार कानूनगो एसोसिएशन का जिला स्तरीय सम्मेलन संपन्न : सुमेर सिंह

भिवानी। नियुक्ति के बाद शपथ लेते नव नियुक्त पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

इनका जताया आभार, ये रहे उपस्थित

इस दौरान जिला प्रधान सुमेर सिंह, सचिव रवि शर्मा, उप-प्रधान अमित लोहारू, कोषाध्यक्ष पंकज खुराना, प्रेस सचिव देवेंद्र बहल, ऑडिटर बलवीर वर्मा, तहसील प्रतिनिधि विनय पंकज, सहयोगी सुखवीर काजला और मनदीप तालू बने। नवनियुक्त जिला प्रधान सुमेर सिंह ने सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वह कर्मचारियों की मांगों को पुरजोर तरीके से सरकार के समक्ष उठाएंगे और संगठन की एकता को बनाए रखेंगे। इस अवसर पर पूर्व प्रधान सुनील शर्मा, राजेश मुटरेजा, विक्रांत शर्मा, विकास राठी, राजेंद्र कानूनगो, सुखबीर कानूनगो, सैलेश कानूनगो, विनोद पटवारी, सन्दीप पटवारी, मनोज पटवारी, शैलेन्द्र तालु, राकेश पटवारी, प्रदीप पटवारी, हरकेश पटवारी, दयाराम पटवारी, हर्ष पटवारी, परमजीत पटवारी, जयचंद पटवारी, जगदीश कानूनगो, नागेंद्र पटवारी, संजय पटवारी, प्रदीप खानक, सोमबीर ढुल, श्याम पटवारी, प्यारेलाल सैनी सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल गैस किल्लत को लेकर बड़े आंदोलन की तैयारी

- भिवानी में शहरी जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित, संगठन विस्तार और ज्वलंत मुद्दों पर हुआ मंथन
- आमजन के हित में सिलेंडर के बढ़े दाम व किल्लत कांग्रेस करेगी प्रदर्शन : शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप जोगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित बैठक में उपस्थित कांग्रेसी नेता। *फोटो : हरिभूमि*

रोहतक रोड स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में रविवार को कांग्रेस की जिला शहरी कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में आगामी संगठन विस्तार और वर्तमान ज्वलंत मुद्दों पर गहन मंथन किया गया। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस के शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप जोगी ने की। बैठक के दौरान संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए प्रदीप जोगी ने कार्यकर्ताओं को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां आमजन के खिलाफ हैं और अब समय आ गया है कि कांग्रेस की जनहित की सोच को घर-घर तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता की आवाज बनेगा। भाजपा की जनविरोधी नीतियों का पर्दाफाश करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर प्रदीप जोगी ने घोषणा की जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी और ग्रामीण) जल्द ही गैस सिलेंडर के दामों और किल्लत के खिलाफ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करेगी। इस आंदोलन में आम जनता को साथ जोडक़र सरकार पर दबाव बनाया जाएगा। जोगी ने दोहराया कि कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल होने के नाते अपनी जिम्मेदारी मजबूती से निभा रही है और जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी। संगठन की गतिविधियों के साथ-साथ, बैठक में राज्यसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा की गई।

नेताओं ने रैली स्थल का लिया जायजा

- चौधरी सुरेंद्र सिंह की पुण्यतिथि पर 31 को आयोजित होगी रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

तोशाम। रैली स्थल का निरीक्षण करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

31 मार्च को चौधरी सुरेंद्र सिंह की पुण्यतिथि पर आयोजित विशाल रैली के लिए राज्यसभा सांसद किरण चौधरी और मंत्री श्रुति चौधरी के निर्देश पर सुरेंद्र सिंह खेल परिसर का भाजपा नेता एडवोकेट हरिसिंह सांगवान व प्रदीप गोलागढ़ ने जायजा लिया।

हरिसिंह सांगवान और प्रदीप गोलागढ़ ने बताया की 31 मार्च को तोशाम में एक रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली ऐतिहासिक होगी। रैली में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, राज्यसभा सांसद किरण चौधरी और मंत्री श्रुति चौधरी मुख्य वक्ता होंगे और सिचाई विभाग की प्रर्दशनी होंगी। हरिसिंह सांगवान ने कहा कि तोशाम में राजसभा सांसद किरण चौधरी व मंत्री श्रुति चौधरी के प्रयासों से आईएमटी का तोहफा मिला है। जो तोशाम इलाके के लिए बहुत बड़ी बात है। आईएमटी तोशाम में स्थापित होने से लोगों को फायदा होगा। सांगवान ने कहा कि भाजपा सरकार में निरंतर विकास कार्य हो रहे हैं। भाजपा सरकार जनहितैषी सरकार है। इस मौके पर कुलदीप पटवारी, सुनील दहिया डाडम, रमेश पंघाल खरकड़ी, मनदीप कांटिया, सत्यनारायण शर्मा, राजकुमार जांगड़ा, पूर्व चेयरमैन सुखबीर पंघाल, डॉक्टर सुरेंद्र सिंह, मनीराम, पवन जांगड़ा संडवा मौजूद थे।

शनिदेव मेले में पहुंची महिला से सोने के कुंडल व नकदी ठगे

नारनौल। बीती शाम को शनिदेव के मेले में भाग लेने आई एक महिला से उसके सोने के कुंडल एवं नकदी ठगने का मामला प्रकाश में आया है। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई है, जिस पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मामराज कॉलोनी निवासी सुशीला देवी वर्तमान में केशव नगर गली नंबर दो के पास रहती हैं। उनके बेटे जोगेंद्र राजपूत ने बताया कि वह शनिवार शाम अपनी मां को शनिदेव के लगने वाले मेले के पास छोड़कर आया था। कुछ देर बाद उसकी मां का फोन आया कि दो युवक उनके सोने के कानों के कुंडल और करीब 1500 रुपये लेकर फरार हो गए हैं। इसके बाद जोगेंद्र ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर डायल 112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और महिला से पूछताछ की। पीड़िता सुशीला देवी ने बताया कि मेले से बाहर निकलने के बाद रामानंद राधेश्याम धर्मशाला के पास उसे दो युवक पैदल जाते हुए मिले। दोनों ने बातचीत शुरू की और किसी तरह उसे अपने प्रभाव में लेकर दोनों युवकों ने उसके कानों से सोने के कुंडल उतरवा लिए और उसके पास मौजूद करीब 1500 रुपये भी ले लिए। बाद में दोनों युवक वहां से फरार हो गए। कुछ समय बाद जब महिला को होश आया तो उसने तुरंत अपने बेटे को फोन कर घटना की जानकारी दी। पीड़िता के बेटे जोगेंद्र राजपूत ने थाना में लिखित शिकायत देकर आरोपितों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि करीब एक सप्ताह पहले भी शहर में इसी तरह की वारदात हुई थी।

युवा सम्मेलन को लेकर इनेलो की भिवानी हलके की बैठक आयोजित

इनेलो युवा सम्मेलन के लिए कार्यकर्ताओं ने भरी हुंकार

- हरियाणा की राजनीति को मिलेगी नई दिशा देने का काम करेगा युवा सम्मेलन : डा. वासुदेव शर्मा
- वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ युवा सम्मेलन में आवाज होगी बुलंद : उमेद लोहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन इनेलो नेता। *फोटो : हरिभूमि*

इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) ने 23 मार्च को शहीदी दिवस के अवसर पर नरवाना में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय युवा सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कमर कस ली है। इसी कड़ी में रविवार को भिवानी हल्का की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक बैड़ चौक स्थित भगवान परशुराम धर्मशाला में आयोजित की गई।

इस बैठक में मुख्य वक्ता के तौर पर इनेलो पार्लियामेंट्री बोर्ड के चेयरमैन एवं पूर्व मंत्री डा. वासुदेव शर्मा और राष्ट्रीय संगठन सचिव व जिला प्रभारी उमेद लोहान विशेष रूप से पहुंचे। बैठक में पहुंचने पर मुख्य अतिथियों का इनेलो जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु और भिवानी हल्का अध्यक्ष जितेंद्र मिनी गौरीपुर ने फूल-मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। बैठक के दौरान हल्का के विभिन्न गांवों से आए कार्यकर्ताओं ने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और आगामी युवा सम्मेलन की तैयारियों को लेकर अपनी रिपोर्ट पेश की। पूर्व मंत्री डा. वासुदेव शर्मा ने कहा कि इनेलो हमेशा से युवाओं और किसानों की आवाज रही है। उन्होंने कहा कि 23 मार्च का दिन भारतीय इतिहास में बलिदान का प्रतीक है। इस दिन नरवाना की धरती पर होने वाला इनेलो का युवा सम्मेलन हरियाणा की राजनीति में मील का पत्थर साबित होगा।

ये रहे मौजूद

बैठक के अंत में जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु और हल्का अध्यक्ष जितेंद्र मिनी गौरीपुर ने अतिथियों को विश्वास दिलाया कि भिवानी हल्का से हजारों की संख्या में युवा नरवाना पहुंचेंगे। इस अवसर पर सुनील लांबा, पूर्ण जांगड़ा, मास्टर रामकिशन, अशोक शर्मा, विजय पंचगांवा, कृष्ण स्वामी, संदीप घणघस, बंटी तिगड़ाना, सोनू ग्रेवाल, इंद्रु परमार, शारदा मिश्रा, अनिल काठपालिया, सतबीर गौतम, मनजीत ढुल, प्रदीप कुंडू, सत्यवान शास्त्री, दीप वाल्मीकि, दिनेश नंबरदार, कृष्णा मितावल, सूरजभान, जगराम साहब, रण सिंह, ओपी भुक्कल, पुनीत दलाल, अमित बापोड़ा, राजेश पुनिया, शुभम, सिल्कराम, केसरी शर्मा, संजय गांधी, लीला प्रजापत, मुकेश बापोडा, मोहित मंडौरा, राजा पंच, बारू पंच, ढ़िल्ला उमरावत, दीनदयाल, खुशीराम पाराशर सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

सोहांसड़ा में लोगों को किया जागरूक

लोहारू। अधिकार समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष विजय गुरावा ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का पात्र व्यक्ति को लाभ सुनिश्चित करने के लिए जरूरी है कि जागरूक युवा आगे आएं और सक्रिय भूमिका निभाएं। वे रविवार को जनअधिकार चेतना अभियान की कड़ी में सोहांसरा में युवाओं को जागरूक कर रहे थे। गुरावा ने कहा कि वर्तमान में सरकार की चिराग योजना, मुख्यमंत्री हरियाणा समान शिक्षा, राहत एवं अनुदान योजना के तहत प्रदेश के सरकारी स्कूल में पढने वाले छात्रों के लिए कक्षा 6 से 12वीं तक प्राइवेट स्कूलों में निशुल्क शिक्षा प्राप्त करने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

धोखाधड़ी करने का आरोपी भेजा जेल

लोहारू। पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के निर्देशानुसार पुलिस इन दिनों विभिन्न अपराधों में वांछित आरोपियों को गिरफ्तार करने के तत्पर है। उसी कड़ी में लोहारू डिटेक्टिव स्टाफ टीम ने एटीएम कार्ड बदलकर धोखाधड़ी से पैसे निकालने के मामले में दूसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। दो दिन के पुलिस रिमांड के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है तथा न्यायालय ने आरोपी को जिला जेल भेजने के आदेश दे दिए। उपमंडल के गांव बड़दु चैना निवासी साहिल ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाई थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बरवाला निवासी प्रवीण के रूप में हुई है।आरोपी प्रवीण को न्यायालय को पेश कर दो दिन के रिमांड पर हिरासत में लिया था।

उपभोक्ताओं को किया अधिकारों के प्रति जागरूक

लोहारू। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के संयोजन में रविवार को स्थानीय कार्यालय परिसर में विश्व उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उपभोक्ताओं को अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी अजय कुमार ने कहा कि उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग होने की जरूरत है। उपभोक्ताओं को कोई भी सामान खरीदते समय दुकानदार से बिल अवश्य लेना चाहिए। यहीं नही इलेक्ट्रॉनिक्स, ज्वैलरी, फर्नीचर आदि सामान खरीदते समय जीएसटी का बिल अवश्य प्राप्त करना चाहिए। यहीं नही उपभोक्ताओं को कोई भी सामान खाद्य सामग्री खरीदते समय उसकी एक्सपायरी तिथि जरूर जांच करनी चाहिए। इस मौके पर खाद्य एवं आपूर्ति निरीक्षक संदीप सिंह, उप निरीक्षक सज्जन सिंह, उप निरीक्षक राधा, मंजू, रामफल, पवन, नंदलाल, सुभाष, सुरेश पूनिया, भारत भूषण सोनी, गिरधारी लाल, अंकित आर्य, सुधीर व बलवान आदि उपस्थित रहे।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने वर्चुअल किया उद्घाटन

11.5 मेगावाट के सौर ऊर्जा सेंटर से 21 मिलियन यूनिट होगी तैयार : चेयरमैन

सौलर पॉवर प्रोजेक्ट

- इस प्रोजेक्ट की 40 प्रतिशत बिजली हरियाणा को मिलेगी हरियाणा के अलावा पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश व चंडीगढ़ को भी फायदा होगा
- प्रेमनगर में 40 एकड़ में बने ग्राऊंड माऊंटेड सौर ऊर्जा का किया लोकापर्ण

भिवानी। प्रेमनगर में 40 एकड़ भूमि पर लगे सोलर पैनल। व सोलर पॉवर प्रोजेक्ट का ऑनलाइन उद्घाटन करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल द्वारा रविवार को भिवानी में 40 एकड़ में बने 11 मेगावाट के सौलर पॉवर प्रोजेक्ट का ऑनलाइन माध्यम से उद्घाटन किया गया। जिस पर 53 करोड़ 50 लाख रुपये खर्च आया। इस प्रोजेक्ट से हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल व चंडीगढ़ को बिजली मिलेगी। इससे लगभग 21 मिलियन टन यूनिट बिजली बनेगी। सोलर पावर हाऊस के संचालित होने के बाद पांच राज्यों में बिजली की सप्लाई पर्याप्त ही नहीं,बल्कि बिजली फालतू भी हो जाएगी। दूसरी तरफ इस ऊर्जा से कोई परंपरागत ईंधन का प्रयोग नहीं होगा, जिससे 15 टन कार्बन डाई ऑक्साईड का उत्सर्जन पर्यावरण में होने से बचेगा। यहां यह बताते चले कि गांव प्रेमनगर में पहले से ही एक पॉवर हाऊस बना हुआ है। जिसमें बिजली को कंट्रोल करके अन्य राज्यों में भेजा जाता है,लेकिन अब यहा पर सोलर पैनल के जरिए बिजली तैयार की जा रही है।

परंपरागत ईंधन का प्रयोग नहीं होगा

भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड (बीबीएमबी) के चेयरमैन मनोज त्रिपाठी ने बताया कि आज केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने भिवानी के प्रेम नगर गांव में स्थित बीबीएमबी के क्षेत्र में पड़वे वाले 40 एकड़ में बने सौलर पॉवर प्लांट का उद्घाटन किया है। यह पॉवर प्लांट 11.5 मेगावॉट का है। जिसमें 10 मेगावॉट भिवानी तथा डेढ़ मेगावॉट का चार एकड़ में हिसार में बना है। यह ग्राऊंड माऊंटेड सौर ऊर्जा सेंटर है। उन्होंने बताया कि इस पॉवर प्रोजेक्ट से बनने वाली लगभग 40 प्रतिशत बिजली हरियाणा को मिलेगी तथा दूसरा बड़ा भाग पंजाब राज्य का होगा। इसके अलावा राजस्थान व हिमाचल राज्यों को भी बिजली मिलेगी तथा यूनियन टैरीटेरी चंडीगढ़ को भी बिजली मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस ऊर्जा से कोई परंपरागत ईंधन का प्रयोग नहीं होगा, जिससे 15 टन कार्बन डाई ऑक्साईड का उत्सर्जन पर्यावरण में होने से बचेगा। इससे हमारा पर्यावरण भी स्वच्छ रहेगा। इस मौके पर ऑनलाइन माध्यम से केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने इस सौलर प्रोजेक्ट से जुड़े इंजीनियरों से बातचीत कर गहनता से जानकारी भी ली।

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर खुलेंगे

विधायक घनश्याम सर्राफ ने बताया कि केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व सीएम नायाब सिंह सैनी का भिवानी के साथ विशेष लगाव है। उन्होंने प्रेमनगर में सोलर पॉवर हाऊस देकर भिवानी के विकास को पंख लगा दिए है। सोलर पावर हाऊस के बाद क्षेत्र में खुशहाली आएगी। युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुलेंगे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल व सीएम नायाब सिंह सैनी का आभार जताया।

भिवानी। अकादमी के स्टाफ को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

राई स्पोर्ट स्कूल की प्रवेश परीक्षा में 12 विद्यार्थियों की सफलता

- दगड़ौली पंचायत ने नवनीत सिंह को पगड़ी पहनाकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

दगड़ौली ग्राम पंचायत व मौजिज ग्रामीणों द्वारा आज ग्रामीण खेलों की पुरस्कार सभा के दौरान सतनाली स्थित दयाल कोचिंग अकादमी के प्रबंधन व स्टाफ को सम्मानित किया गया। हाल ही में अकादमी के विद्यार्थियों ने मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्कूल, राई द्वारा आयोजित पीएसईटी परीक्षा में शानदार सफलता हासिल की है, जिसका परिणाम 13 मार्च 2026 को जारी किया गया है। इस उपलब्धि पर ग्राम पंचायत दगडौली ने अकादमी के संचालक नवनीत सिंह धनखड़ को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। यह परीक्षा मोतीलाल नेहरू स्पोर्ट्स स्कूल, राई में प्रवेश के लिए आयोजित की जाती है।

कक्षा 4 में पढ़ने वाले बच्चों ने दी थी परीक्षा

नवनीत सिंह धनखड़ ने बताया कि इस वर्ष अकादमी से कुल 14 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था, जिनमें से 12 विद्यार्थियों ने टेस्ट पास कर शानदार सफलता प्राप्त की। इतनी कम आयु वर्ग के बच्चों का यह परिणाम अकादमी के लिए अत्यंत गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा कक्षा 4 में पढ़ने वाले बच्चों के लिए आयोजित की जाती है, जिसमें 9 से 11 वर्ष आयु वर्ग के विद्यार्थी भाग लेते हैं। नवनीत सिंह धनखड़ ने बताया कि संस्थापक ईश्वर सिंह धनखड़ द्वारा स्थापित अनुशासन और उच्च शैक्षणिक मूल्यों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए संस्था के विद्यार्थी नियमित रूप से आरएमएस, सैनिक स्कूल राई स्पोर्ट्स स्कूल व अन्य प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं।

सौ कर्मचारियों को चार साल के बाद भी नहीं मिली एलटीसी की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

अंधी पीसे कुत्ता खाए। यह कहावत सिंचाई विभाग पर सटीक बेथ रही है। सिंचाई विभाग में कार्यरत करीब सौ कर्मचारियों को चार साल से एलटीसी की सुविधा नहीं मिल पाई है। हैरानी इस बात कि है सिंचाई विभाग ने जिन कर्मचारियों को यह सुविधा देनी है,उनकी जनवरी 2023 में सूची भी जारी कर दी,पर आज तक इन कर्मचारियों को एलटीसी की सुविधा नहीं मिली है। जिसको लेकर कर्मचारियों में रोष व्याप्त है।

- कर्मचारियों ने लगाया धांधली का आरोप

चार साल में मिलती है कर्मचारियों को यह सुविधा

जानकारी के अनुसार हरेक विभाग के कर्मचारियों को चार साल में एक बार बाहर घूमने की सुविधा सरकार द्वारा दी जाती है। इसके तहत कर्मचारी को बेसिक व डी ए की राशि दी जाती। इस राशि से कर्मचारी कही पर बच्चों के साथ जा कर घूम सकता,लेकिन अधिकारियों के उपेक्षित रवैया के चलते सौ कर्मचारियों को एलटीसी की सुविधा नहीं मिल पाई है। इनमें सिविल के साथ मैकेनिकल के कर्मचारी शामिल हैं।

नाइंसाफी से कर्मचारियों मे रोष

कर्मचारी नेताओं ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों पर इस मामले में धांधली का आरोप लगाया। उनका कहना है कि जनवरी 2023 में उनको एलटीसी दिए जाने की सूची जारी कर दी,लेकिन उसके बाद भी उनको यह सुविधा नहीं दी गई,जबकि उनके बाद अप्लाई करने वालों की ये सुविधा मिल गई है। उनके साथ नाइंसाफी होने से कर्मचारियों में रोष है। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि इस सुविधा की मांग को लेकर कई बार विभाग के आला अधिकारियों से मुलाकात कर चुके है,लेकिन आज तक उनकी इस समस्या का समाधान नहीं किया गया है। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर उनकी इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे आंदोलन चलाने से पीछे नहीं हटेंगे।

महिला महाविद्यालय झोझू कलां की टीम खो-खो में उपविजेता

- योगा प्रशिक्षिका पूनम सांगवान ने छात्राओं को जीत पर बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय के तत्वाधान में अंतर महाविद्यालय खो खो प्रतियोगिता का आयोजन जनता महाविद्यालय के बलिदान स्मारक स्टेडियम में किया गया।

इस प्रतियोगिता में महिला महाविद्यालय झोझू कलां की खो-खो टीम उपविजेता रही। महाविद्यालय की टीम का स्थानीय जनता कॉलेज की टीम के साथ कड़ मुकाबला रहा। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मंजू सांगवान ने बताया कि इस पूरी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। महाविद्यालय के प्रधान एडवोकेट सुरेन्द्रपाल सिंह, सचिव सुशील कुमार व हरिकिशन ने सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें इसी प्रकार निरन्तर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। खो-खो कोच सोनू सांगवान, विभागाध्यक्ष रीतु सांगवान, योगा प्रशिक्षिका पूनम सांगवान ने छात्राओं को जीत पर बधाई दी।

चरखी दादरी। स्टाफ सदस्यों के साथ विजेता टीम खिलाड़ी *फोटो : हरिभूमि*

रोजगार के क्षेत्र में नहीं किया ठोस कार्य : राजेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

तोशाम क्षेत्र में रोजगार को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विकास मंच काफी समय से भारत सरकार और हरियाणा सरकार से मांग करता रहा है। इसी कड़ी में पर्यटन विकास मंच के चेयरमैन राजेश गारनपुरा ने कहा कि मंच काफी समय से सरकारों से तोशाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित, खानक को औद्योगिक क्षेत्र बनाने, किसानों के लिए सब्जी मंडी, तोशाम को राष्ट्रीय राजमार्ग और रेल मार्ग से जोड़ना और शिक्षा, स्वास्थ्य और जनहित की मांगे काफी समय से करता रहा है।

- सरकार आईएमटी से पहले मंच की मांगों पर मोहर लगाए

मांगों को मंजूद करें

मंच के चेयरमैन राजेश गारनपुरा ने कहा कि उपरोक्त मांगों को भारत सरकार और हरियाणा सरकार से काफी समय से मांग की जा रही है। लेकिन तोशाम क्षेत्र के लोगों को राजनीतिक सत्ता हासिल करने के लिए इस्तेमाल किया गया है। मंच द्वारा उठाई गई मांग वर्षों पहले मंजूर होनी थी जिससे तोशाम क्षेत्र में रोजगार और विकास कार्यों में और अधिक गति होती और क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त होते। उन्होंने कहा कि वर्तमान में तोशाम क्षेत्र में रोजगार के अवसर न होने के कारण युवा वर्ग बेरोजगारी और अपराधी की श्रेणी में बढ़ रहा है। देश और समाज की रोजगार ही रीड की हड्डी है। उनका कहना था कि सरकार आईएमटी से पहले पर्यटन विकास मंच की मांगों को तुरंत प्रभाव से मंजूर करें।

युवाओं को विकसित करने होंगे कौशल

- वर्तमान समय में डिजिटल साक्षरता समाज के विकास की महत्वपूर्ण आवश्यकता : डॉ दीप्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

डिजिटल साक्षरता के बारे में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए चलाया गया अभियान बहुत सराहनीय है इन शिविरों का उद्देश्य युवाओं को डिजिटल रूप से सदृढ़ बनाते हुए आगे बढ़ने का संदेश देना है यह बात उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा द्वारा अनुमोदित वैश्य महाविद्यालय भिवानी की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के तत्वावधान में मेरे भारत के लिए युवा और डिजिटल साक्षरता के लिए युवा विषय पर आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल के कुलगुरु डॉ राजेंद्र अनायत ने कही। उन्होंने कहा कि युवाओं को समाज में सार्थक रूप से शामिल होने के लिए, कौशल और अवसरों से लैस होना होगा।

शिविर का शुभारंभ कुलगुरु डॉ राजेंद्र अनायत,समारोह अध्यक्ष चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी की कुलगुरु प्रो डॉ दीप्ति धर्माणी, मुख्य वक्ता केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा से प्रो दिनेश चहल द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने सभी अतिथियों, कार्यक्रम अधिकारियों और स्वयंसेवकों का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर विद्यार्थियों में सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी को विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी की कुलगुरु प्रो डॉ. दीप्ति धर्माणी ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल साक्षरता समाज के विकास की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गई है। मुख्य वक्ता केंद्रीय विवि हरियाणा से प्रो. दिनेश चहल ने कहा कि युवाओं को तकनीक का सकारात्मक उपयोग करते हुए समाज में जागरूकता और विकास की दिशा में कार्य करना चाहिए।

प्रतिज्ञा सेवा समिति ने स्थापना दिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

बवानीखेड़ा। रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा स्थित शहीद गुलाब सिंह पार्क के पास धर्मशाला में प्रतिज्ञा सेवा समिति द्वारा समिति के स्थापना दिवस पर समिति मुखिया संजय मिलखा द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया। जिसमें बतौर मुख्यातिथि विधायक कपूर वाल्मीकि के बडे भाई मा. राजेश कुमार, नपा प्रधान संदर अत्री, गुरू बुलबुल महंत की शिष्या महंत तेजस्वनी सुखबीर भाकर, बबलू राठी ने शिरकत की। शिविर में भिवानी नागरिक अस्पताल व स्थानीय अस्पताल की टीम ने पहुंचकर अपनी सेवाएं दी। शिविर में 30 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ जिसे भिवानी भेज दिया गया। जानकारी देते हुए डॉ. रवि चैधरी ने बताया कि उनकी टीम में सुमन, सुरेन्द्र, किरण आदि ने पहुंचकर अपनी सेवाएं दी और 30 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ जिसे भिवानी ब्लड बैंक में भेज दिया गया। वहीं उन्होंने संस्था के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। वहीं मा. राजेश कुमार, नपा प्रधान संदर अत्री, गुरू बुलबुल महंत की शिष्या महंत तेजस्वनी ने उपस्थित जनों को बताया कि रक्त की एक-एक बूंद की कीमत का अपना महत्व होता है। इसलिए समय समय पर रक्तदान करते रहना चाहिए। वहीं उन्होंने समिति के इस साहसिक कार्य की भी सराहना की।

चरखी दादरी। स्कॉलरशिप टेस्ट देते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

यदुवंशी स्कूल में स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन

चरखी दादरी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन मंढौला में स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। इस टेस्ट में विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ-साथ आसपास के अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह और प्रतिस्पर्धा की भावना देखने को मिली। सभी विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और ज्ञान का प्रदर्शन करते हुए पूरे आत्मविश्वास के साथ पेपर दिया और बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया। विद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की सभी व्यवस्थाएँ सुव्यवस्थित ढंग से की गईं, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि ऐसे स्कॉलरशिप टेस्ट विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को पहचानने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। विद्यालय के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने अपने कथन में कहा कि इस प्रकार के शैक्षिक आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, परिश्रम और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ उन्हें बेहतर मंच प्रदान करना है, ताकि वे अपनी प्रतिभा को निखारकर जीवन में आगे बढ़ सकें।

अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

चरखी दादरी। बीती रात पुलिस ने एक युवक को अवैध शराब सहित काबू किया है। आरोपी से 24 बोतल बरामद की है। पुलिस ने 24 बोतल अवैध शराब के साथ एक शख्श को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। शनिवार की रात्रि को पुलिस सूचना मिली की काकडौली हुक्मी निवासी नवीन अवैध शराब बेचता है। वह गांव लाडावास की तरफ से बाइक पर अवैध शराब लेकर निकला है। सूचना मिलते ही हेड कांस्टेबल विकास पुलिस टीम को लेकर को लाडावास की तरफ जाने वाली रोड पर नाकाबंदी की। कुछ समय पश्चात एक युवक आता दिखाई दिया। जो पुलिस पार्टी को देखकर वापिस भागने लगा।

22 मार्च को सामाजिक संगठनों ने बवानी खेड़ा में बुलाई महापंचायत

दस किलोमीटर के दायरे में टोल टैक्स फ्री करने की मांग

जाटू लोहारी से बवानी खेड़ा तक बाईपास के साथ सर्विस रोड बनाने की मांग को लेकर किया आंदोलन का ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

बवानी खेड़ा के नए बाईपास पर आसपास करीब दस किलोमीटर के दायरे में रहने वाले वहां चालकों का टोल फ्री करने तथा जाटू लोहारी से बवानी खेड़ा तक बाईपास के साथ सर्विस रोड बनाने की मांग को लेकर सामाजिक संगठनों ने आंदोलन का ऐलान कर दिया। इसी मामले को लेकर बवानी खेड़ा में हरियाणा जागृति मोर्चा व अन्य सामाजिक संगठन के सदस्यों की पंचायत हुई ओर इन्हीं मुद्दों को लेकर 22 मार्च को बवानी खेड़ा के शहीद गुला सिंह पार्क में महा पंचायत बुलाई है। मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंधु एवं मोर्चा संरक्षक एडवोकेट रामकिशन काजल ने बताया कि अभी नया बाई पास तैयार नहीं हुआ,लेकिन वहां से गुजरने वाले वाहनों पर टोल थोप दिया है। जिसके लेकर कस्वा बवानी खेड़ा के लोगों तथा हरियाणा जागृति मोर्चा ने प्रदर्शन कर सरकार से मांग की कि बवानी खेड़ा व 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले वाहन चालकों से टोल वसूला जा रहा हैं,जोकि सरासर गलत है।वे इन्हीं मांगो को लेकर होने वाली महापंचायत में मुद्दा उठाएंगे और आंदोलन की रणनीति तय करेंगे।

भिवानी। टोल फ्री करवाने की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

सर्विस रोड न होने से खेतों के रास्ते हुए बंद

नए बाईपास के साथ जाटू लोहारी से लेकर बवानी खेड़ा तक कुछ जगहों पर सर्विस रोड नहीं दिया गया है,जिस वजह से अनेक लोगों के खेतों में आने व जाने का रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया है। 22 मार्च को होने वाली महापंचायत में उक्त मुद्दो के साथ नगरपालिका में 261 घरों की प्रोपर्टी आई डी खत्म करने तथा सरकार द्वारा पूर्व दिनों बरसात के कारण घरों में हुए नुकसान तथा किसानों की बरबाद हुई फसलों के मुआवजे के मुद्दा भी चर्चा की जाएगी। अगर इस दौरान समाधान नहीं होता तो आंदोलन का ऐलान करेंगे। प्रदर्शन करने वालों में रामनिवास गौरियां, संदीप, राकेश ,सतीश सिंधू ,नरेश ,अम्बे ,कृष्ण चौपड़ा, कपील ,रामबीर, राजेश ,बनवारी नायक, रामसिंह आदि थे।